सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती

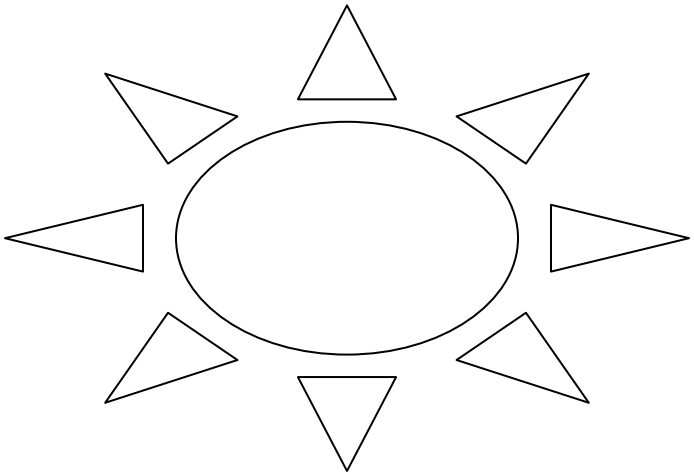

वार्षिक प्रतिवेदन 2020–21

ANNUAL REPORT

क्षेत्रीय कार्यालय पता

बाजार वार्ड देवरी जिला सागर म.प्र 470226

संपर्क –07586–250651, 9893403841,

ई मेल – SSMNSAJKSS786@GMAIL.COM

web- MAANARAMDASAMITI.ORG.IN

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति

इस माह बच्चों के प्रति सेवा भावना की भावना अपने हृदय में जगाकर कार्य की नींव रखी जिसमे इस संस्था में कार्यरत सहभागियों अपना योगदान दिया जिसमें देवरी के निकट जितने भी गांवों कस्बों मुहल्लों आदि में नगर भ्रमण किया जिसमें संस्था ने पाया कि इस क्षेत्र में बहुत से बच्चों में विकलांग तथा निःशक्त बच्चों की संख्या है। जिसमें परिवार तथा उनके रिस्तदारों की मनोदशा तथा उनका पारिवारिक भरण पोषण भी नही हो पाता संस्था ने घरों – घरों में जाकर परिवार के हर सदस्य को तथा सामूहिक उपस्थित सामुदाय को संस्था की जानकारी दी तथा उनके बच्चों के उज्जवल होने की प्रयास क्रिया को भी उन्हे बताया उसके बाद ही

Introduction of organization

संगठन का परिचय

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति देवरी की स्थापना 11 अक्टूबर 2010 को हुई थी। संस्था पिछले कई सालों से सामाजिक गतिविधियों पर काम कर रही है। इसके अंतर्गत हमारी संस्था में विकलांग तथा निःशक्त बच्चों और सी.पी. और एम. आर. बच्चों की हर प्रकार की सुविधाएँ तथा उनके जीवन की क्रिया शैली को आगे बढानें का सततः प्रयास करती है। जिसमें बच्चों की special education physiotherapy.councelling.activity. of daily life आदि सभी प्रकार की क्रियाओं का अध्ययन करती है।जिससे बच्चों का सामूहिक क्रिया सम्भव हो सकें, और इन सभी की की Activity जानकारी उनकी तथा उनक अभिभावकों को भी दी जाती है। सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति का पंचीयन दिनांक 11 अक्टूबर 2010 में हुआ पंजीयन क्र. 06/09/01/07786 है। संस्था पिछले सत्र में भारत सरकार राष्टीय न्यास के द्वारा पंजीकृत है। संस्था 107 दिव्यांग जनों को सेवाएं दे रही है।

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति
द्वारा संचालित गतिविधियॉ

3. विकास प्रोजेक्टः–

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति देवरी विकास प्रोजेक्ट के अंतर्गत उन बच्चों की श्रेणी को रखतें है। जो कि Multi disablety, cereble pulsy ,Autism and Mental Rehidration आदि दिव्यांगजन को रखतें है। इसमें उन्हें खेल कूँद Special Education Class कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वल्पाहार मनोरंजन शारीरिक प्रशिक्षण व्यायाम Physiotherapy Treatment आदि सारी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती है। विकास प्रोजेक्ट का समय 6 घंटे का होता है। जिसमें दिव्यांगजनों को सुबह के समय बस के द्वारा उन्हें आश्रमें लाया जाता है इसके बाद प्रार्थना करवायी जाती है और फिर उन्हे चाय नास्ता आदि की व्यवस्था की जाती है। विशेष शिक्षक के द्वारा उन्हें शिक्षा देने का कार्य किया जाता है। कौशल विकास से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रतिदिन दिया जाता है। जिससें वे स्वरोजगार की स्थापना करने में सक्षम हो सकें। इसके बाद सस्था के केयर गिवर और आया को द्वारा दिव्यांगजनों उनके घर वापिस भेज दिया जाता है।

जिसके अंतर्गत 10 से 18 वर्ष के आयु सीमा के बच्चें आतें है।

बच्चों को संस्था में अध्ययनरत होने के लिए संस्था में रजिस्टर्ड कराया।

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति देवरी ने संस्था में अक्टूबर महीने मे बच्चों की बीमारियों तथा उसके होने की जानकारियों को जाना तथा परिवार का रहन सहन और सभी प्रकार की जानकारियां ली जिसके कारण सभी बच्चों में असमानता प्रकट हुई। उनकी मेंडिकल हिस्टी तथा उनुवाशिकता को प्राप्त किया उससे बच्चों का विकास तथा उसकी निःशक्तताः कहां पर कमी पाई जाती है। इसका उभार सामनें आया।

संस्था ने इन बच्चो को 24 घंटो कार्य देख रेख प्रकिया में रखती है। जिसमें प्रातः काल से ही उनकी नित्य किया का पूरा कार्य सम्पन्न कराती है। इसके बाद उनके योग व्यायाम का कार्य कराने के बाद उनका नास्ते का पूरा पौष्टिक आहार देती है। तथा समय के अनुसार उनके बीमारियों का ईलाज एक्सरसाईजेस प्रकिया उनके स्पेशल डाक्टर द्वारा उनको दिलाई जाती है। और उनका भोजन आराम खेल व मनोरंजन का पूरा पूरा ध्यान तथा उत्साह किया के उसके साथ कराई जाती है। यहः किया प्रतिदिन होती है।

संस्था में हर प्रकार के व्यहारो का महत्वपूर्ण योगदान भी दिया जाता है जिससे इन बच्चों का उत्साह पूर्वक कार्य भी हो कार्य भी पूरा होता है। जिसमें पारिवारिक लोगो तथा नगर के सभी सहयोगी वरिष्ठ नागरिक भी सम्मिलित होते है। जिसमें दीपावली का पर्व विशेष महत्वपर्ण ढंग सके किया गया। जिसमें सभी बच्चों को नये कपड़े खिलौने तथा मिठाईया वितरण का कार्य सम्पन्न हुआ। संस्था में जो प्रकिया पूर्ण महिनों से चली आ रही है। उसमें और बहुत सारी कियाओं का समावेश होता है। जिससे यहॉ हमारी संस्था का विकास होता रहे। बच्चों के उत्साह को और भी बड़ानें के लिए परिवार के बड़े और बच्चों के अभिभावकों को उपस्थित कर संस्था बच्चों का जन्म दिन भी उत्साह पूर्ण ढंग से मनाती है।

संस्था में इस माह के अंत में हम बच्चों का विकास सम्बंधित जानकारी उन्हे देते है। तथा उनकी विकासा किया को लेकर कुछ नई नई प्रकिया का उपयोग करतें है। जिससें उनके विकास में बड़ोत्तरी होती और अक्षरों की पहचान शब्दों की तालिका शब्दों को जोड़ना नई नई चीजो का अध्ययन लेकर रंगों की पहचान कराई जाती है। खेल के प्रति जागरूकता भी दी जाती है।

संस्था में बच्चों के साथ तथा देवरी नगर के नागरिकों व बच्चों के अभिभावकें के साथ नये सत्र का कार्यक्रमा का आयोजन विस्तारपूर्वक किया साथ ही 26 जनवरी का कार्यक्रम भी संस्था ने मनाया और ध्वजा रोहण भी मनाया सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य गीत का कार्यक्रम भी हुआ जिसमें संस्था के बच्चों को मौसम अनुसार आशा सेवा विकास इंस्टीटयूट देवरी द्वारा टोपा ''केप '' वितरण किया गया संस्था में इस माह के अंत में हम बच्चों का विकास सम्बंधित जानकारो उन्हे देते है। तथा उनकी विकास क्रिया को लेकर कुछ नई नई प्रक्रिया का उपयोग करतें है। जिससें उनके विकास में बड़ोत्तरी होती और अक्षरों की पहचान शब्दों की तालिका शब्दों को जोड़ना नई नई चीजेा का अध्ययन लेकर रंगों की पहचान कराई जाती है। खेल के प्रति जागरूकता भी दी जाती है।

संस्था में बच्चों के साथ तथा देवरी नगर के नागरिकों व बच्चों के अभिभावकें के साथ नये सत्र का कार्यक्रमा का आयोजन विस्तारपूर्वक किया साथ ही 26 जनवरी का कार्यक्रम भी संस्था ने मनाया और ध्वजा रोहण भी मनाया सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य गीत का कार्यक्रम भी हुआ जिसमें संस्था के बच्चों को मौसम अनुसार आशा सेवा विकास इंस्टीटयूट देवरी द्वारा टोपा ''केप '' वितरण किया गया।

संस्था में अंतर्गत इन में बच्चों के साथ माता सरस्वती की पूजा वंदन का कार्यक्रम किया गया जिसमें बच्चों द्वारा माता की पूज्य वंदना करायी गयी । और इसी माह में महाशिवरात्री का त्योहार भी पूर्ण रूप से सहभागिता दी गई जिसमें बच्चेां को शिवपूजन के लिए बांदकपुर में शिवशंकर मंदिर का भ्रमण कराया गया और मिठाईय प्रसाद भी वितरण हआ।

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

विकास प्रोजेक्ट–

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती देवरी कार्यालय छीर देवरी सागर में दिव्यांग ट्रेनिग कार्यकम (हेण्डीकेप्ट ट्रेनिग) कार्यकम का आयोजन किया गया । कार्यकम में मयंक दुवे सचिव एवं सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती देवरी के सदस्यगण, समाजसेवी, श्री अंकित मिश्रा(डॉक्टर) ह्रड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ नीरज साहू सहित दिव्यांग ट्रेनिग कार्यकम (हेण्डीकेप्ट ट्रेनिग) कार्यकम को लेकर इस कार्यकम में दिव्यांग और उनके परिजन उपस्थित हुए एवं आस पास के वार्ड वासियो को एकत्र करते हुए जनप्रतिनिधी महोदय को भी आमंत्रित किया गया। इस कार्यकम का मुख्य उदेश्य दिव्यांग ट्रेनिग देकर सक्षम बनाना करना शहर के वरिष्ट नागरिक सहित अतिथि कार्यकम में उपस्थित हुए।

सचिव
सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

हड्डी रोग विशेषज्ञ नीरज साहू ने दिव्यांगो के वारे में जानकारी देते हुए वताया कि दिव्यांग काई प्रकार की होती है पहला जन्मजाद, और कुछ पोलियो के कारण और कुछ एक्सीडेन्ट के कारण दिव्यांग हो जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति को लडाई झगडे में या वचपन में सिर पर चोट लग गयी होती हैं तो उस समय तो टाके आदि लगवाने के वाद वह ठीक हो जाता हैं किन्तु मानसिकछति होती हैं वह आगे जाकर के दिमाग में व्लड क्लाट के रुप में हानि पहुचाता है दिमाग की नशो में खून का जम जाने के कारण दिमाग तक खून का संचार बंद हो जाता हैं। और चक्कर आकर गिर जाते हैं परिणाम स्चरूप अनके अंगो पर प्रभाव पडता है जिसे लखवा के नाम से जाना जाता हैं यह भी एक दिव्यांगता की श्रेणी मे आते हैं।

सचिव
संचे श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं

Scanned by CamScanner

पोलिया के मरीज कुछ तो जन्मजाद होते है और कुछ लापरवाही के कारण वचपन में टीकाकरण में लापरवाही के कारण पोलियो का शिकार हो जाते है जो जन्मजाद होते हैं उनके लक्षण कुछ अलग होते हैं क्योकि उनकी मानसिकता में अपने आप को समान्य व्यक्ति की अपेक्षा कार्य करने में कम होती हैं इस कारण वे अपने आप में हीन भावना का शिकार होते हैं।

इसी उदेश्य को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा दिव्यांग ट्रेनिग कार्यकम (हेण्डीकेप्ट ट्रेनिग) आयोजित किया गया जिसमें दिव्यांगो और उनके परिजनो को एकत्र कर दिव्यांगो की देखभाल किस प्रकार से करना है एवं दैनिक जीवन में रोजमर्रा काम करना आपना ख्याल रखना सिखाया जावेगा समिति द्वारा फिजियोथेरेपिष्ट को आमंत्रित किया जिससे कि उन्हे ट्रेनिग दी जा सकें फिजियोथेरेपिष्ट द्वारा व्यायाम वताया गया जिससे उनकी नशों में रक्त संचार से उनके अंग स्फूति से चल सके दिव्यांगो परिजानो को वताया कि वे प्रतिदिन दोनो समय हल्का फुल्का व्यायाम करवाये व्यायाम के साथ कुछ टिप्स भी दिये जिससे दिव्यांगों दैनिक जीवन में काफी उपयोगी होगे एवं मानसिक रुप से उन्हें तैयार करे वह किसी से कम नही हैं उन को भी समाज की मुख्य धारा में जोडने का प्रयास करना चाहिए।

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा दिव्यांग ट्रेनिग कार्यकम (हेण्डीकेप्ट ट्रेनिग) में मयंक दुबे सचिव जी ने जानकारी देते हुए कहा कि दिव्यांगो को सक्षम बनाने हेतु उन्हे भी बरावर दर्जा मिलना चहिए आज शासन द्वारा विभिन्न क्षैत्रो में आरक्षण की सुविधा सरकार द्वारा दी जा रही हैं। हमें भी उन की सहायता करना चाहिए कार्यकम में आये हुए जनप्रतिनिधी ने भी शसकीय योजना के वारे मे वताया कि किस प्रकार से सरकार कौशल विकास के कार्य करती है साथ ही आई,टी,आई में दिव्यांगो को प्रशिक्षित किया जाता हैं। सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा दिव्यांग ट्रेनिग कार्यकम (हेण्डीकेप्ट ट्रेनिग) का यही उदेश्य है कि दिव्यांगो को प्रशिक्षित किया जाय।

सचिव
सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

जागरुकता कार्यकम मल्टीपल डिसेविल्टी मेन्टली रिटायर्ड (मंदबुद्वि मानसिक विछिप्त दिव्यांगो के लिए जागरुकता) कार्यकम –

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती कार्यलय छीर देवरी सागर में जागरुकता कार्यकम मल्टीपल डिसेविल्टी मेन्टली रिटायर्ड (मंदबुद्वि मानसिक विछिप्त दिव्यांगो के लिए जागरुकता) कार्यकम का आयोजन किया गया । कार्यकम में मयंक दुवे महोदय एवं सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती के सदस्यगण, समाजसेवी, श्री मुन्नालाल गुप्ता (फिजियोथेरेपिष्ट) मनोचिकित्सक रोग विशेषज्ञ डॉ संजय जैन सहित जागरुकता कार्यकम मल्टीपल डिसेविल्टी मेन्टली रिटायर्ड (मंदबुद्वि मानसिक विछिप्त दिव्यांगो के लिए जागरुकता) कार्यकम को लेकर इस कार्यकम में दिव्यांग और उनके परिजन उपस्थित हुए एवं आस पास के वार्ड वासियो को एकत्र करते हुए जनप्रतिनिधी महोदय को भी आमंत्रित किया गया। इस कार्यकम का मुख्य उदेश्य जागरुकता कार्यकम (मंदबुद्वि मानसिक विछिप्त दिव्यांगो के लिए जागरुकता कर सक्षम बनाना करना शहर के वरिष्ट नागरिक सहित अतिथि कार्यकम में उपस्थित हुए।

सचिव
सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

मनोचिकित्सक रोग विशेषज्ञ डॉ संजय जैन ने कार्यक्रम में जानकारी देते हुए कहा कि मानसिक दिव्यांग अधिकांशतः जन्म से ही होते हैं। किन्तु कुछ ऐसे भी होते हैं जिन ने भयंकर दृश्य देखा हो जैसे कोई जीवित व्यक्ति आग में झुलस गया हो उसको देखकर उसकी वेदना महसूस करता हैं या एक्सीडेन्ट देखकर उस डर को अपने दिमाग में बिठा लेते हैं उन्हे हमेशा डर सताता रहता हैं उसी की कल्पना करते रहेते हैं वे किसी पर भी आसानी से विश्वास नही करते हैं यहॉ तक देखा गया हैं कि वे अकेले रहना भी पंसद नही करते हैं। दैनिक रोजमर्या के काम काज भी वह नही कर सकते हैं उन को कभी कभी इस बात का ख्याल भी नहीं रहता कि उन्हे बाथरुम जाना है किन्तु उन के दिमाग में कुछ और ही चलता रहता है और वे कपडों में ही बाथरुम कर देते हैं

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति केसली सागर

Scanned by CamScanner

ऐसा नहीं है कि वे कुछ काम करना नही चाहते हैं किन्तु उन के अंग उनके बस मे नही होते हैं। इनके शरीर का विकास पूर्ण रुप से नही हो पाता है इनका दिमाग साथ नही देता है। इन सब कारणो के ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किये जाते है जिससे उन्हे एवं उनके परिवरो को जागरुक कर उन्हे शिक्षा दी जा सके उन्हे सिखाया जा सके मानसिक दिव्यांग को परिवार वाले सामाज वाले पडोस वाले सहानुभूति दिखा के उन्हे बहुत कुछ सिखा सकते हैं।

श्री मुन्नालाल गुप्ता (फिजियोथेरेपिष्ट) मानसिक दिव्यांगो के वारे में जानकारी देते हुए बाताया कि जिस प्रकार हम बच्चो के साथ खेलते है और उन्हे कोई कार्य दे तो वह देखकर करने का प्रयास करते हैं उसी प्रकार अगर हम मानसिक दिव्यांगो को खेल खिलौनो के द्वारा सिखा सकते है जैसे एक जगह अलग अलग रंगो की समग्री रख दे और उन से कहे कि एक कलर की समग्री अलग कर रखे तो वह संभवतः कर सकता हैं इस प्रकार से इनके मानसिक विकास होता है और सीखने की इक्क्षा होती है। इस प्रकार के कई उदाहरण प्रस्तुत कियें गये जिससे वे जागरुक हो सके।

सचिव
सदै श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति टेवरी ग्राम

Scanned by CamScanner

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा जागरुकता कार्यकम मल्टीपल डिसेविल्टी मेन्टली रिटायर्ड (मंदबुद्धि मानसिक विछिप्त दिव्यांगो के लिए जागरुकता) कार्यकम में रेखा राय अध्यक्ष महोदया आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मानसिक दिव्यांगो को सक्षम बनाने हेतु उन्हे समिति द्वारा इस प्रकार के जागरुकता कार्यकम करने करे तत्पर है

सचिव
मातृ श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

डे केयर सेंटर

डे केयर सेंटर बृद्वजनो के लिए दिन मे देखभाल का केन्द्र है। संस्था द्वारा तीन अलग अलग स्थानो देवरी, सिगपुर गंजन एवं सर्रा पहला आदि ग्रामो पर तीन डे केयर सेंटर का संचालन किया जाता है।

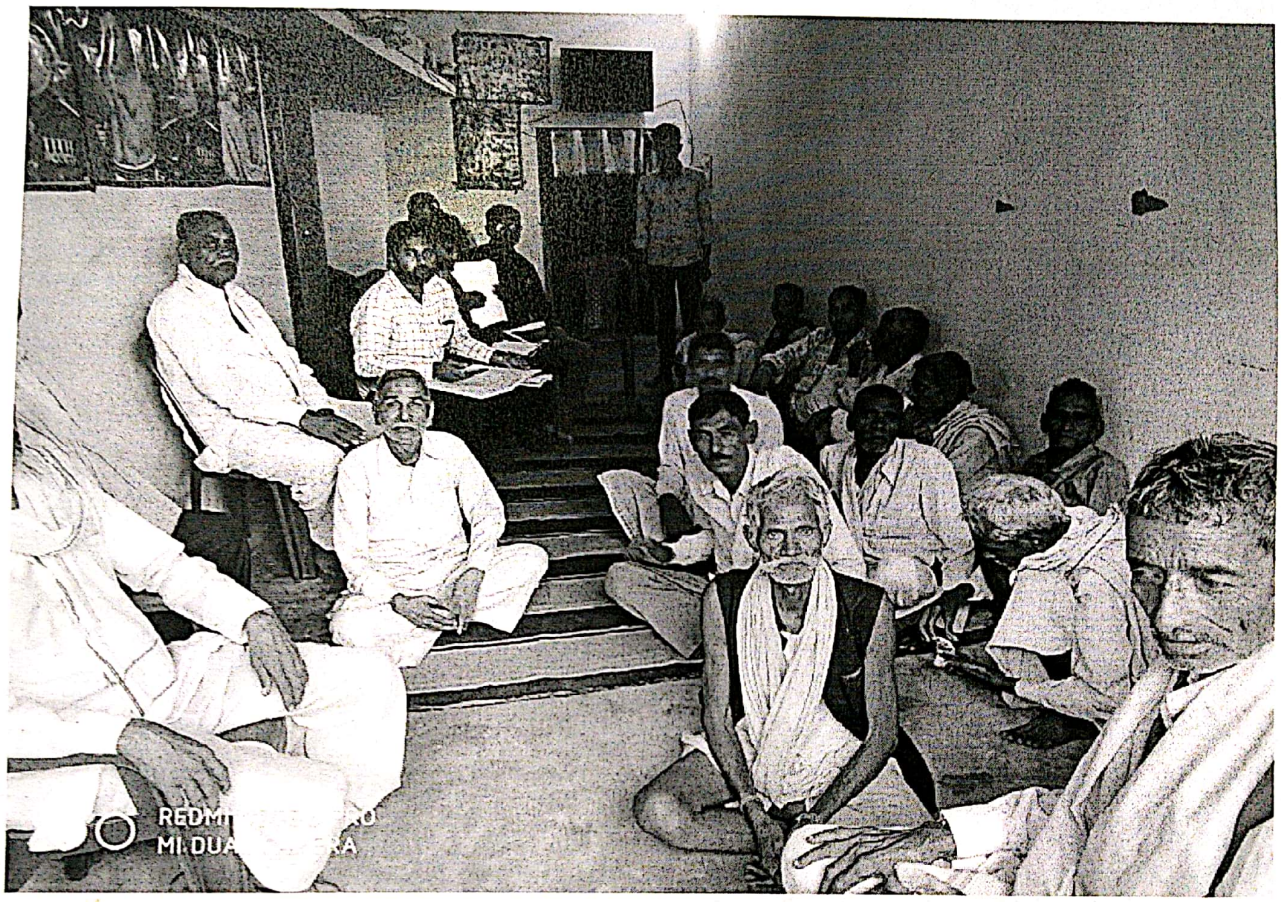

डे केयर मे सभी बृद्वो को चाय नास्ता एवं उनके स्तर के मनोरंजन के साधन एवं धार्मिक पुस्तक डे केयर मे उपलब्ध रहती है। डे केयर सेंटरों मे समय समय पर अधिकारियो का निरीक्षण भी किया जाता है। एवं उनके द्वारा दिये गये निर्देशो के अनुसार व्यवस्थाए डे केसर सेंटरो मे की जाती है।

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

डेकेयर सेन्टर पहुँचे सीईओ

अपने भ्रमण के दौरान सागर जिला पंचायत सीईओ ने देवरी नगर के कुसुम बिहार कालोनी मे चल रहेगोपाल जी डे केयर सेन्टर का निरीक्षण किया एवं केन्द्र में उपस्थित वृद्धो से केन्द्र के संचालन एवं उनको प्रदाय हो रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। एवं संचालको से केन्द्र के संचालन एवं शासन द्वारा तय मानको पर चर्चा की। उन्होने डेकेयर सेन्टर मे लगाये गये आन लाईन कैमरो की लिंक प्राप्त कर सेन्टर की सागर में ही बैठकर निगरानी किये जाने की बात कही।

संस्था मे कुछ बृद्व ऐसे भी है। जिका कोई सहारा नही है। ऐसे लोगो को संस्था स्वयं के खर्च पर खाना खिलाने का कार्य भी करती है।

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

संस्था द्वारा समय समय पर शिविर का आयोजन होता है। जिसमे जिस किसी बृद्व को जो समस्या होती है। उसका निराकरण संस्था की टीम द्वारा किया जाता है।

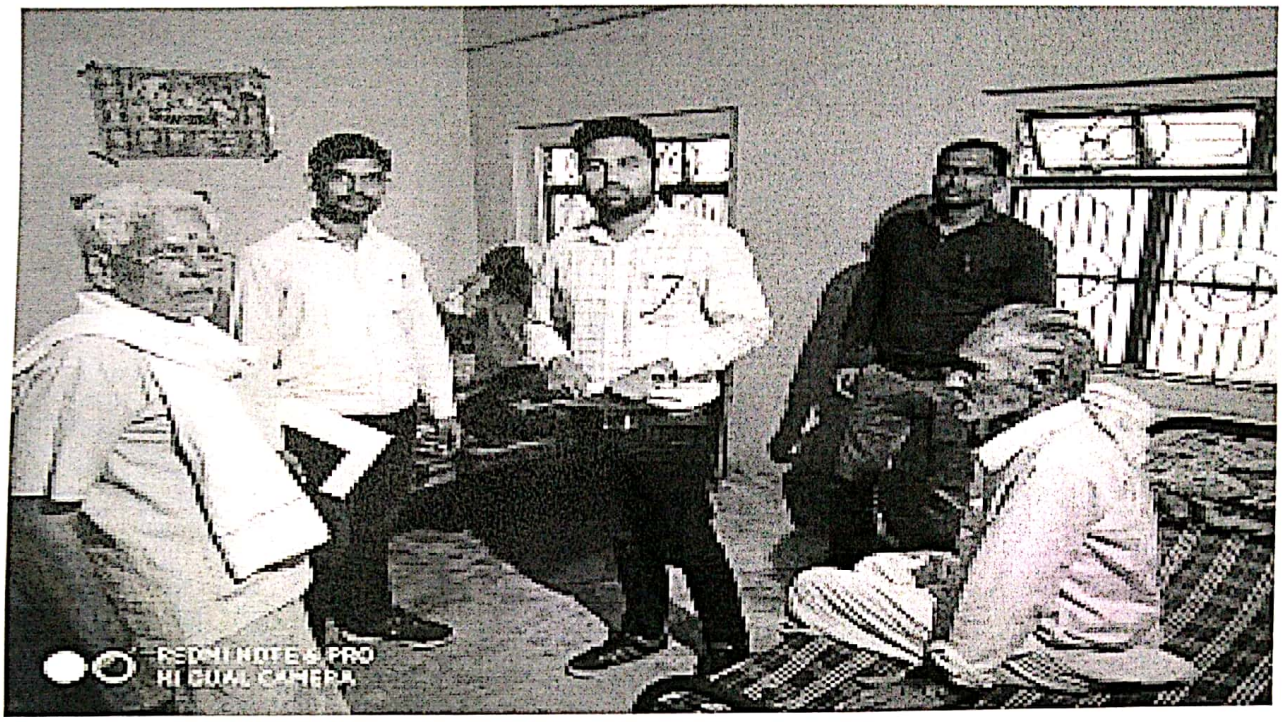

समय समय पर शासन द्वारा जो योजनाए चालू की जाती है। उन सभी योजनाओ की जानकारी सभी बृद्वो को पहुचाई जाती है। और उनकी मदद भी की जाती है

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

विश्व पर्यावरण दिवस 2019

पर्यावरण पर कार्यक्रम–

समिति द्वारा न.पा. सी.एम.ओ. को आमंत्रित किया गया जिन्होने बाताया कि पर्यावरण की भूमिका हमारे जीवन कितनी महात्वपूर्ण हैं। किस प्रकार से हमारे पर्यावरण में वदलाव क्यो आते है सर्व प्रथम जलवायु परिवर्तन के वारे में वताया गया की किस प्रकार से मानव के जीवन पर विपरीत प्रभाव पडता है हमारे आस पास होने वाली गतिविधियॉ से जलवायु में परिवर्तन आते है

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा वाजार वार्ड में पर्यावरण को लेकर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में माया नामदेव अध्यक्ष महोदया एवं सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती के सदस्य, समाजसेवी, आस पास के वार्ड वासी को एकत्र किया जनप्रतिनिधी को आमंत्रित किया इस कार्यक्रम में महिलाए भी उपस्थित हुई उन्हे पर्यावरण संबधी जानकारी देने के उदेश्य से यह कार्यक्रम वाजार वार्ड मे रखा गया।

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति खेरी सागर

Scanned by CamScanner

उदाहरण के तौर पर गाडियो निकलने वाला धुआं वायुमंडल में जाकर के एकत्र होती जाती है और एक मोटी लेयर के कारण से सूर्य और पृथ्वी के वीच परतो के कारण सूर्य की किरणे पृथ्वी पर पूर्ण तरीके से नहीं पडती हैं जिस कारण से जलवायु में परिवर्तन आते हैं जैसे मानसून का समय फिक्स होता है परन्तु 20 से 25 दिन बाद आता है या ठंड के मौसम में वारिश का होना गर्मी के महीने में ठंडक रहना इत्यादि जलवायु परिवर्तन की श्रेणी में आते हैं।

सचिव
पार्वती श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति ... सागर

Scanned by CamScanner

रोज दिनचर्या में उपयोग होने वाले कोयले से निकलने वाला धुआ,फेक्टरी की चिमनी से निकलने वाला धुआ जहरीला धुआ,एवं ट्रको ,मोटरसाइकिलो से निकलने वाली कर्वन डाईआक्साइड वायु मंडल में एकत्र होती जाती है और इन धुओ की परत वनती जाती है। जिससे पर्यावरण का संतुलन विगडता है और मानव जीवन को काफी नुकशान पहुचता हैं।

इस लिए शासन प्रशासन को चाहिए कि शहरो में कई प्रकार के उद्योग धंन्धे को जो चिमनीयो से गैस और धुआ छोडते है उन्हें शहर की सीमा से बाहर होना चहिए। शहर में प्रदूषण के कारण शुद्व वायु मिलना कठिन होता जा रहा है। क्योकि 'शहरो में कालोनी बनने के कारण लागातार वृक्षो की कटाई जारी है आक्सीजन के श्रोत की कमी के कारण मानव जीवन को काफी नुकशान होता जा रहा है

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

प्रशिक्षण कार्यकम – **CEDMAP**

उधमिता विकास केन्द्र के द्वारा संस्था सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती के लिए आदिवासी वच्चो के हित के मे प्रशिक्षण कार्यकम सौंपा गया जिसमे सभी आदिवासी वच्चो को संस्था द्वारा रहने और निःशुल्क प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई जिसके अंतर्गत वच्चो को लगभग 3 माह का प्रशिक्षण कार्य करवाया गया इस प्रशिक्षण मे वच्चो को **SSC** द्वारा सार्टिफिकेट प्रदान किया गया और उन वच्चो को रोजगार से लगाने के भरपूर प्रयास संस्था द्वारा किये गये

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी

Scanned by CamScanner

प्रशिक्षण सेंटर

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा इस प्रशिक्षण के लिए आठनेर, धार, मुल्ताई, उज्जैन, प्रभातपट्टनम, आदि मे सेंटर वनाये गये ताकि वच्चो को प्रशिक्षण मे असुविधा न हो सके इन सभी सेंटर पर वच्चो के रहने, खाने पीने की निःशुल्क व्यवस्था संस्था द्वारा की गई

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी (सागर)

Scanned by CamScanner

सेंटर मे व्यवस्थायें

सभी ट्रेनिंग सेंटर मे वच्चो को रहने की सुविधा के साथ साथ खाने पीने की सुविधा भी उपलव्ध कराई गई थी जिसमे वच्चो को निम्न सुविधा प्राप्त थी

1. सुवह चाय
2. नास्ता
3. खाना
4. रिफरेसमेंट
5. चाय
6. मनोरंजन
7. खाना

आदि सुविधा वच्चो को उपलव्ध कराई गई थी

इसके अलावा सभी वच्चो को आस पास के क्षेत्रो मे घुमाने के लिए भी ले जाया जाता था और माह मे द्वितीय और चतुर्थ सप्ताह वच्चो को टॉकीज ले जाया जाता था

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

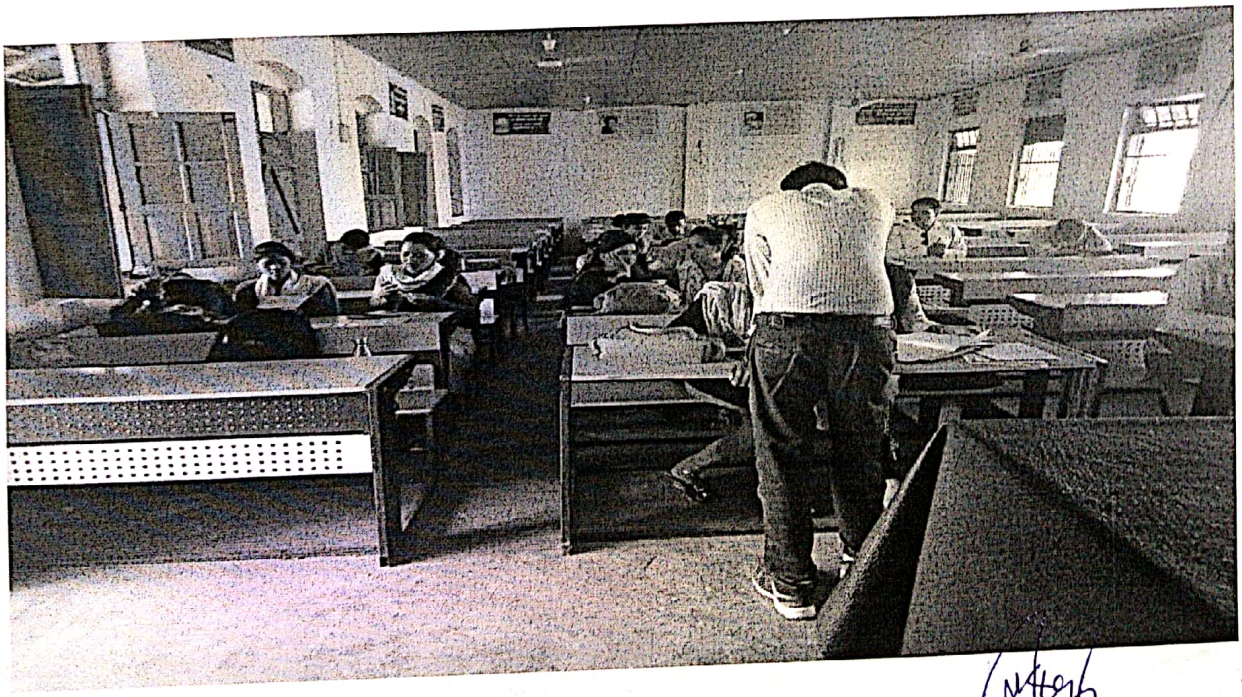

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

विश्व विकलांग दिवस 2019

सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विश्व विकलांग दिवस का आयोजन संस्था में किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी पंडित प्रदीप जोशी जी ने की और मुख्य अतिथि के रूप में शामिल ह

हर साल 3 दिसंबर को दुनियाभर में विश्व विकलांग दिवस मानाया जाता है. इस दिन दिव्यांगों के प्रति लोगों के रवैये में बदलाव लाने के साथ ही दिव्यांगों को उनके अधिकारों के प्रथि जागरूक किया जाता है. इस साल इसकी थीम 'विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाओ और उनके समावेश और समानता को सुनिश्चित करो' रखी गई है.

सचिव

सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं

जनकल्याण सेवा समिति खेतरी ...

Scanned by CamScanner

कैसे हुई थी इस दिवस को मनाने की शुरुआत?

साल 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा की तरफ साल 1981 को विश्व विकलांग वर्ष के रूप में घोषित किया गया था. इस दौरान अतंराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, स्तर पर दिव्यांगो के लिए प्रचार और बराबरी के मौकों पर जोर देने के लिए योजना बनाई गई. 1992 से इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत हुई. साल 2007 तक इस दिन को 'International Day of Disabled Persons' कहा जाता था.

कैसे मनाया जाता है ये दिन?

दिव्यांगों के सश्क्तिकरण के लिए मनाए जाने वाले इस दिन को दुनियाभर में काफी उत्साह से मनाया जाता है. इस दिन कई जगहों पर दिव्यांगों की बनाई गई पेंटिंग्स या अन्य चीजों का एक्जीबिशन लगाया जाता है. इसके अलावा अलग अलग कार्यक्रमों के जरिए दिव्यांगो को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है.

इस साल विकलांग दिवस मनाने कि लिए यूएन की तरफ से खास कार्क्रमों का आयोजन किया गया है. दरअसल 2030 तक यूएन ने एजेंडा तैयार किया है जिसका मकसद है कि इस दौर में कोई भी व्यक्ति पीछे न छूटे फिर वो चाहे दिव्यांग ही क्यों न हो, इसलिए यूएन की तरफ से इस दिन खास कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है

सचिव
सदे श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सर्व श्री मां नर्मदा शिक्षा एवं जन कल्याण सेवा समिति के प्रांगण में महिला दिवस को बहुत ही धूमधाम से प्रति वर्ष की तरह मनाया गया इस बार मुख्य अतिथि के रूप में समिती अध्यक्ष श्रीमति माया नामदेव शामिल हुई और महिलाओं के सशक्तिकरण के संबंध में महिलाओं को भाषण दिए

अमेरिका में सोशलिस्ट पार्टी के आह्वान पर, यह दिवस सबसे पहले २८ फ़रवरी १९०९ को मनाया गया। इसके बाद यह फरवरी के आखिरी इतवार के दिन मनाया जाने लगा। १९१० में सोशलिस्ट इंटरनेशनल के कोपेनहेगन सम्मेलन में इसे अन्तर्राष्ट्रीय दर्जा दिया गया। उस समय इसका प्रमुख ध्येय

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी

Scanned by CamScanner

महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिलवाना था, क्योंकि उस समय अधिकतर देशों में महिला को वोट देने का अधिकार नहीं था।

१९१७ में रूस की महिलाओं ने, महिला दिवस पर रोटी और कपड़े के लिये हड़ताल पर जाने का फैसला किया। यह हड़ताल भी ऐतिहासिक थी। ज़ार ने सत्ता छोड़ी, अन्तरिम सरकार ने महिलाओं को वोट देने के अधिकार दिया। उस समय रूस में जुलियन कैलेंडर चलता था और बाकी दुनिया में ग्रेगेरियन कैलेंडर। इन दोनों की तारीखों में कुछ अन्तर है। जुलियन कैलेंडर के मुताबिक १९१७ की फरवरी का आखिरी इतवार २३ फ़रवरी को था जब की ग्रेगेरियन कैलैंडर के अनुसार उस दिन ८ मार्च थी। इस समय पूरी दुनिया में (यहां तक रूस में भी) ग्रेगेरियन कैलैंडर चलता है। इसी लिये ८ मार्च महिला दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

सचिव
एवं श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

जल दिवस 2020

विश्व जल दिवस के अवसर पर संस्था में जल दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें शहर के वरिष्ठ समाजसेवी एवं नगर पालिका के अधिकारी शामिल हुए और जल की स्वच्छता एवं बचाव के संबंध में जागरूक भाषण दिए और जल संरक्षण के प्रति सभी व्यक्तियों को उत्साहित कि प्रेरित किया

कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्यभार प्रवीण पाठक जी द्वारा किया गया

हर वर्ष के तरह इस वर्ष भी 22 मार्च के दिन विश्व जल दिवस पर देश भर में तमाम तरह के कार्य़क्रमों का आयोजन किया जायेगा। वर्ष 1933 से विश्व भर में मनाये जा रहे इस दिन को आज के समय में भी काफी उत्साह के साथ मनाया जाता है। देश भर में विश्व जल दिवस को लेकर अभी से तैयारियां शुरु कर दी गयी है।

विश्व जल दिवस का इतिहास

पूरे विश्व के लोगों द्वारा हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1993 में संयुक्त राष्ट्र की सामान्य सभा के द्वारा इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रुप में मनाने का निर्णय किया गया। लोगों के बीच जल का महत्व, आवश्यकता और संरक्षण के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिये हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रुप में मनाने के लिये इस अभियान की घोषणा की गयी थी।

इसे पहली बार वर्ष 1992 में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में "पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन" की अनुसूची 21 में आधिकारिक रुप से जोड़ा गया था और पूरे दिन के लिये अपने नल के गलत उपयोग को रोकने के द्वारा जल संरक्षण में उनकी सहायता प्राप्त करने के साथ ही प्रोत्साहित करने के लिये वर्ष 1993 से इस उत्सव को मनाना शुरु किया।

सचिव

Scanned by CamScanner

विश्व जल दिवस कैसे मनाया जाता है

पर्यावरण, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में जल के महत्व की ओर लोगों की जागरुकता बढ़ाने के लिये पूरे विश्व भर में विश्व जल दिवस मनाया जाता है। इसे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम और क्रियाकलापों के आयोजनों के द्वारा मनाया जाता है जैसे दृश्य कला, जल के मंचीय और संगीतात्मक उत्सव, स्थानीय तालाब, झील, नदी और जलाशय की सैर, जल प्रबंधन और सुरक्षा के ऊपर स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परिचर्चा, टीवी और रेडियो चैनल या इंटरनेट के माध्यम से संदेश फैलाना, स्वच्छ जल और संरक्षण उपाय के महत्व पर आधारित शिक्षण कार्यक्रम, प्रतियोगिता तथा ढ़ेर सारी गतिविधियाँ। नीले रंग की जल की बूँद की आकृति विश्व जल दिवस उत्सव का मुख्य चिन्ह है।

सचिव
सर्वे श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

नशा मुक्ति दिवस

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिति सागर द्वारा समाज मे वढ़ती हुई मद्यपान, तम्बाकू गुटका सिगरेट की नशा एवं नशीले द्वव्य. पदार्थो के दुष्परिणाम मे समाज को अवगत कराते हुए मादक द्वव्य एवं मादक पदार्थो के सेवनकी रोक थाम के लिए नशा मुक्त भारत वनाने की जनजाग्रति फैलाई

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति सेवरी सागर

Scanned by CamScanner

स्कूलो मे वच्चो से वाद विवाद प्रतियोगिता कराकर एवं पोस्टर लेखन के माध्यम से नशा मुक्त वनाने की दिशा मे कार्य किया। प्रभात फेार के माध्यम से गांव गांव जाकर गीत नृत्य एवं संस्कृतिक कार्यकमो के माध्यम से नशा मुक्ति के क्षेत्रमे कार्य किया ।

ग्राम छीर मे को सामाजिक न्याय एवं निःशक्त कल्याण विभाग द्वारा आयोजित स्वच्छता एवं नशा मुक्त जीवन के प्रति कार्यकम एवं सभा का आयोजन किया गया। जिसमे जनप्रतिनिधी सरपंच एवं जनपद अध्यक्षा आंचल आढ्या जी अन्य वरिष्ठ नागरिको के द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया । जिसमे नशा मुक्त समाज एवं नशा मे होने वाली हानियो आदि पर प्रकाश डाला।

समिती के द्वारा शिविर लगाकर समाज के अंदर बढ़ती नशा की लत छुड़ाने हेतु शिविर एवं नशा करने वालो के घर जाकर प्रत्येक सप्ताह उनके घर जाकर परिवार वालो को नशा छुडाने की जानकारी दी गई एवं नशा मुक्त

सचिव

होने से जो खुशी मिली उससे समिती को बहुत ही सुखद अनुभूति हुई कि नशा मुक्त होने से परिवार मे कितनी खुशी आने लगी है

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020—21

संस्था मे सभी विकलांग बच्चो के लिए एक संयुक्त प्रशिक्षण कार्यकम का आयोजन किया गया इस आयोजन मे कई रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण बच्चो को दिये गये जो इस प्रकार है

1. पैकेट वनाना
2. बत्तियॉ वनाना
3. दिये मे रंग भरना
4. क्ले आर्ट वर्क

बच्चो के द्वारा वनाये गये इन सामानो को वाजार मे संपर्क करके विकवाया गया जिससे वच्चो को कुछ मुद्रा लाभ मिल सका

वच्चो के द्वारा वनाई गई वत्तियो एवं दियो को दीपावली के समय विकवाया गया

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं ... सेवा समिति ...

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

मेडीकल चेकअप शिविर –

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती देवरी द्वारा ग्राम पहला में मेडीकल चेकअप शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मयंक दुवे समिति सचिव महोदय एवं ग्राम पंचायत के सदस्य, एवं सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती के सदस्यगण,, डाक्टर श्री नीरज साहू, सहित स्वास्थ्य शिविर को लेकर इस कार्यकम में उपस्थित हुए एवं आस पास के ग्रामवासियो को एकत्र करते हुए ग्राम प्रधान महोदय को भी आमंत्रित किया गया। इस कार्यकम का मुख्य उदेश्य स्वाथ्य एवं स्वच्छ समाज बनाना हैं।

शिविर में आये हुए 85 मरीजा का नामांकन किया गया एवं चिक्त्सिको परीक्षण किया गया जैसे बुखार, भूख न लगना, उल्टी, दस्त सर्दी जुखाम, हाथ पैरो में दर्द, सिर दर्द इत्यादि प्रकार की समान्य बीमारी

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी

Scanned by CamScanner

के लोगो ने परीक्षण कराया एवं रोगो के अनुसार उन सभी मरीजो को ओ.आर.एस के पैकिट के साथ औषधियॉ निःशुल्क वितरित की गयी सबसे अधिक मरीज बुखार एवं सर्दी जुखाम के मिले। रोग के अनुसार मरीजो को निःशुल्क औषधियॉ वितरित की गयी। चिकित्सक द्वारा ग्रामवासियो का 85 मरीजो का परीक्षण किया जिसमें वृद्व महिला पुरुष का ब्ल्ड प्रेशर चैक किया गया एवं इस शिविर में विभिन्न प्रकार के रोगो का परीक्षण किया गया।

22 बच्चो में भी पेट में कीडा के कारण उनके शारीरिक विकास नही हो पा रह था बच्चे खाना तो खाते थे किन्तु अनके शरीर का विकास रुका सा प्रतीत हो रहा था इन बच्चो को कमि नाशक औषधि एमिण्डाजोल की गोली दी । इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में नेत्रो का भी परीक्षण किया इनके परीक्षण से पाया गया कि इन मरीजो के मोतियोविन्द का आपरेशन होना भी आवश्यक है। यहां यह पाया कि कैलशियम की कमी पायी गयी साथ ही 13 महिलाओ को खून की कमी के कारण एनीमियां के मरीजो की भी संख्या पायी गयी जिन्हे स्वास्थ्य

बर्धक टानिक प्रदाय किये गये बताया गया कि खाना भर पेट पूरा आहार ले खाना के साथ सलाद में चकुन्दर भी लेना जिससे शरीर में

सचिव

Scanned by CamScanner

खून की मात्रा में बढोत्तरी हो सके इसी प्रकार खाना में पर्याप्त मात्रा में प्रोट्रीन की मात्रा मिल सके इस प्रकार का आहार लेना चाहिए

बृद्ध महिलाओ का परीक्षण किया गया जिसमें पाया कि 70 वर्ष की आयु वाली बृद्धाओ को घुटनो के पिडलियो के दर्द की शिकायत थी उम्र के साथ शरीर में कमजोरी एवं नीद न आना अधिकांश संख्या देखी गयी है

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा मरीजो को सुबह से उठ कर घूमने की सलाह दी साफ सफाई से रहने की सलाह दी गयी और बताया गया की साफ पानी पीना चाहिए पानी को ढंक के रखो साफ धुले कपडे पहनना। खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोना चाहिए अपने घरो में सफाई रखना चाहिए घरो में मच्छरदानी का उपयोग करना आस पास पानी इकटठा नहीं होना चाहिए

महिलाओ को स्वास्थ के प्रति जागरुक भी किया गया। आज के समय गरीव वस्ती में निवास करने वाले व्यक्तियो को मेहनत मजदूरी से फुर्रसत नहीं मिलती है इस कारण से अपने वच्चो के स्वस्थ्य का ध्यान नही रख पाते है इसी कारण हमारी संस्था द्वारा जागरुक करते हैं। कि अपने आस पास स्वच्छ वातावरण का होना आवश्यक है। ग्राम में पीने के पानी को साफ रखना अति आवश्यक हैं।

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

एड्स जागरुकता कार्यकम (एड्स अवेयरनेश) कार्यकम –

श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती ग्राम पहला में एड्स जागरुकता कार्यकम का आयोजन किया गया । कार्यकम में मयंक दुवे महोदय एवं श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती के सदस्यगण, समाजसेवी, रोग विशेषज्ञ डॉ नीमेश जैन सहित एड्स जागरुकता कार्यकम को लेकर इस कार्यकम में उपस्थित हुए एवं आस पास के ग्राम वासियो को एकत्र करते हुए ग्राम प्रधान महोदय को भी आमंत्रित किया गया। इस कार्यकम का मुख्य उदेश्य एड्स रोग के प्रति जागरुक करना ग्राम के वरिष्ट नागरिक सहित अतिथि कार्यकम में उपस्थित हुए।

डॉ नीमेश जैन द्वारा जानकारी देते हुए एड्स के वारे में वताया एच्.आई.वी/एड्स में क्या अंतर है ? एच्.आई.वी पाजीटिव व्यक्ति एड्स के मरीज के मुकावले ज्यादा खतरनाक स्थिति में होता हैं क्योकि ऊपर तौर पर उसके शरीर कोइ लक्षण दिखाई नही देते हैं लेकिन भीतर ही भीतर उसमें एच्.आई.वी का वाइरस फैल रहा होता हैं। इससे भी खतरनाक बात यह हैं कि वह अनजाने में एच्.आई.वी

सचिव
एवं श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी खास

Scanned by CamScanner

/एड्स की बीमारी दूसरो को फैलाता रहता हैं। मोटे तौर पर एड्स के मरीज और एच् .आई.वी पॉजीटिव व्यक्ति में यही फर्क हैं कि इस बीमारी की प्रारंभिक अवस्था को एड्स कहते हैं लेकिन व्यक्ति दोनो ही स्थितियो में अपने यौन साथी को एच् .आई.वी संकमित कर सकते है।

डॉ निमेश जैन ने एड्स के प्रारभिक लक्षण वताते –

1– थकान महसूस होना। 2– लंम्वे समय तक बुखार बने रहना(एक माह या उससे अधिक) 3–कम समय में ही वजन रहस्यमय ढंग से घटना (कुल शरीरिक वजन का 10 प्रतिशत या उससे अधिक। 4– एक माह से भी ज्यादा समय तक लगातार दस्त लगे रहना। 5– लसिका ग्रन्थियो का एक से अधिक स्थान पर आकार में बढ जाना। एच् .आई.वी/एड्स नही फैलता हैं–एच् .आई.वी साधारण प्रकार के संपर्क से नही फैलता जैसे

1–रोगी के स्पर्श से 2– रोगी के साथ खेलने या कार्य करने से

3– रोगी के वर्तनो में खाने से, 4–रोगी के कपडे पहनने से

5–रोग ग्रसित व्यक्ति द्वारा पकाया गया खाना खाने से

6– मच्छर या अन्य कीडो के काटने स 7–स्विमिग पूल या शौचालयो के उपयोग से

अध्यक्ष महोदया ने जानकारी देते हुए एड्स के वारे में वताया एच् .आई.वी/एड्स की बीमारी आज मानव समाज के लिए एक गंभीर समस्या के रुप में उभर कर सामने आई हैं। यह न सिर्फ चिकित्सीय समस्या हैं अपितु इसका सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवम् आर्थिक पहलू भी हैं। आज जब इस बीमारी का कोई इलाज नहीं हैं और जिस दर से एड्स फैल रहा हैं उससे हमारे समाज में विघटन की समस्या उत्पन्न हो रही हैं। एड्स का इलाज नहीं हो सकता इसलिए व्यक्ति के के लिए यह जरुरी हैं कि इस बीमारी के वारे में पूरी जानकारी हासिल कर ली जाए। यहॉ आपको एड्स संबंधी महात्वपूर्ण जानकारी दी जा रही हैं ताकि आप इस ज्ञान के आधार पर स्वंय की एवं दूसरो की एड्स से रक्षा कर सकें।

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
कल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

बार्षिक प्रतिवेदन बर्ष 2020–21

अन्तर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस

सर्व श्री मॉ नर्मदा शिक्षा एवं जनकल्याण सेवा समिती द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी वृद्ध दिवस का आयोजन संस्था मे किया गया जिसमे मुख्य अतिथी के रूप मे वरिष्ठ समाजसेवी श्री राजीव हजारी` जी ,प्रदीप जोशी, आदि उपस्थित रहे

इस अवसर पर लगभग 100 की संख्या मे वृद्धजन उपस्थित रहे

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एवं
जनकल्याण सेवा समिति देवरी [illegible]

कार्यकम मे मंच संचालन का कार्य श्री प्रवीण पाठक जी के द्वारा किया गया कार्यकम मे अतिथी श्री राजीव हजारी जी महोदय ने सभी

वृद्वो को शाल श्रीफल भेंट किये इसके उपरांत एस.डी.एम. देवरी के द्वारा सभी वृद्वो को विभिन्न प्रकार की योजनाओ जो कि शासन द्वारा द्वारा वृद्व हित मे चलाई जा रही है इससे अवगत कराया

संस्था सचिव श्री मयंक दुवे जी द्वारा वृद्वो को नियमित डे केयर आकर योजनाओ के लाभ लेने की बात कही गई और जिन वृद्वो की पेंशन नही मिल रही है उन सभी की पेंशन जल्द से जल्द चालू कराने की संतुष्टि दी गई

इसके वाद सभी वृद्वो को मीठा खिलाकर कार्यकम का समापन किया गया

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner

होली समारोह

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्था प्रांगण मे सभी बृद्वजनो होली का भपूर आनंद लिया एवं रंग लगाकर सभी लोगो को शुभकामनाए दी

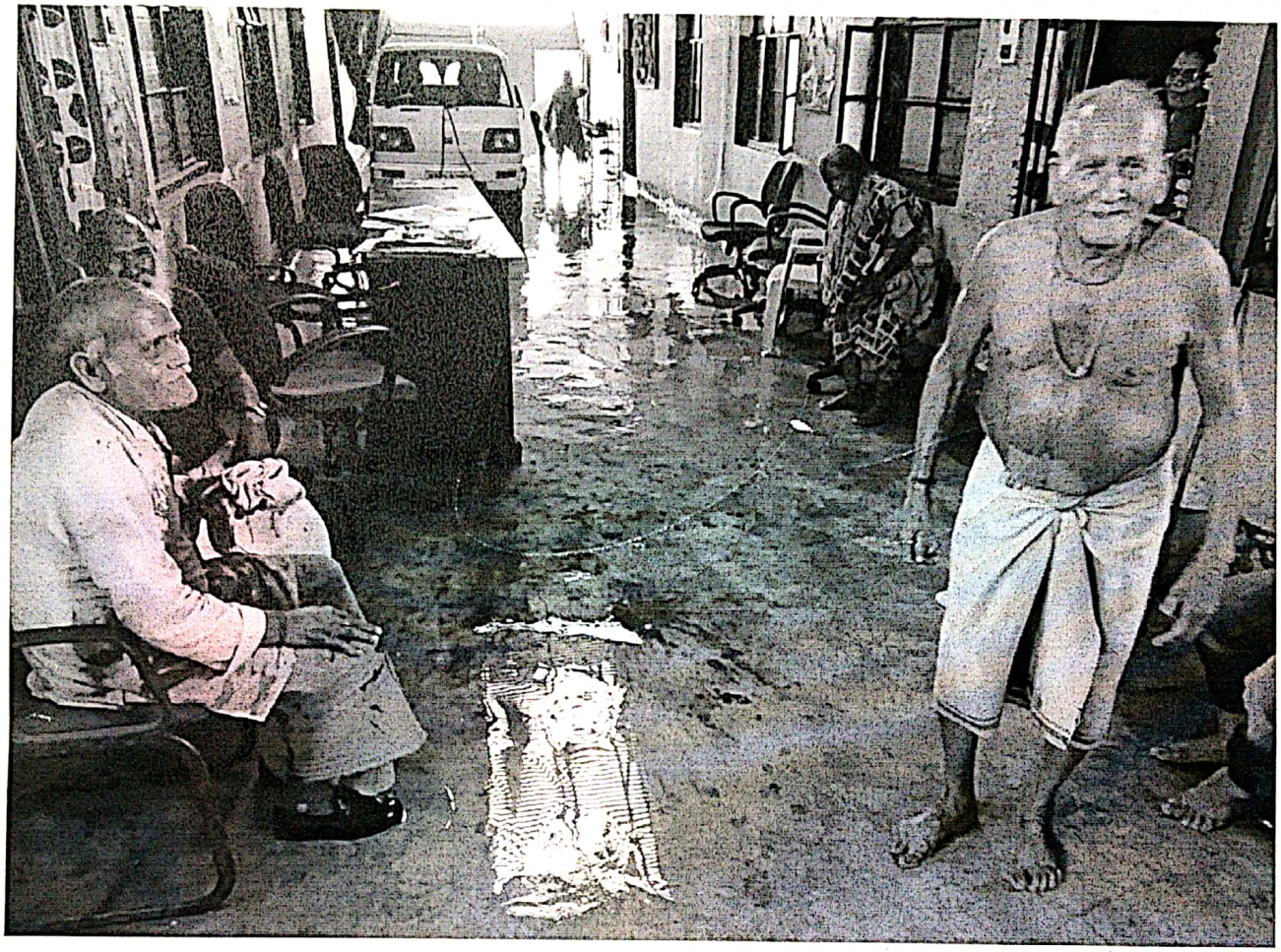

इसके वाद संस्था सचिव श्री मयंक दुबे जी को सभी बृद्वो ने गुलाल लगाई एवं शुभकामनाए दी

सचिव
सर्व श्री माँ नर्मदा शिक्षा एव
जनकल्याण सेवा समिति देवरी सागर

Scanned by CamScanner